# के. वि. सं. आंचलिक शिक्षा शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर

## सत्र 2025-26 के लिए 'प्रशिक्षण आवश्यकता मूल्यांकन (TNA)' पर एक रिपोर्ट

### 1. परिचय

सतत व्यावसायिक विकास के लिए के.वि.सं. की प्रतिबद्धता के अनुरूप, आंचलिक शिक्षा शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भुवनेश्वर ने छह फीडर क्षेत्रों: कोलकाता, भुवनेश्वर, रांची, तिनसुकिया, गुवाहाटी और सिलचर के शिक्षकों के लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रशिक्षण आवश्यकता मूल्यांकन (TNA) आयोजित किया है। इस मूल्यांकन का उद्देश्य फीडर क्षेत्रों के प्राथमिक शिक्षकों (PRTs), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (TGTs), स्नातकोत्तर शिक्षकों (PGTs) और प्रधानाध्यापकों (HMs) की विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करना है।

### 2. TNA के उद्देश्य

• प्रशिक्षण अंतराल की पहचान करना : उन क्षेत्रों का निर्धारण करना जहाँ शिक्षकों को अपनी शिक्षण प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए व्यावसायिक विकास की आवश्यकता है।

• शैक्षिक नीतियों के साथ तालमेल बिठाना : यह सुनिश्चित करना कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के.वि.सं. की प्रशिक्षण नीति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और एनसीएफ एफएस 2022 और एनसीएफ एसई 2023 के साथ तालमेल में हों।

• छात्र अधिगम परिणाम को बढ़ाना : छात्रों के प्रदर्शन और समग्र विकास को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना ।

• जागरूकता के स्तर का आकलन करना : एनईपी 2020, एनसीएफएसई 2023, योग्यता आधारित शिक्षा, नई मूल्यांकन संरचना, राजभाषा नीतियों, समावेशी शिक्षा आदि के बारे में शिक्षकों के ज्ञान और समझ का मूल्यांकन करना ।

### 3. कार्यप्रणाली

TNA को एक संरचित दृष्टिकोण का उपयोग करके आयोजित किया गया था:

• प्रश्नावली का विकास: प्रत्येक कैडर (PRTs, TGTs, PGTs, और HMs) के लिए अनुकूलित प्रश्नावली तैयार की गई थी ताकि उनकी कथित प्रशिक्षण आवश्यकताओं के बारे में जानकारी एकत्र की जा सके।

• वितरण और संग्रह: प्रश्नावली को छह फीडर क्षेत्रों में शिक्षकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से (गूगल फॉर्म में) वितरित किया गया था। कुल 3444 प्रतिक्रियाएँ एकत्र की गईं, जिससे एक प्रतिनिधि नमूना सुनिश्चित हुआ।

• डेटा विश्लेषण: सामान्य विषयों और ध्यान देने की आवश्यकता वाले विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान करने के लिए प्रतिक्रियाओं का मात्रात्मक और गुणात्मक रूप से विश्लेषण किया गया।

**4. मुख्य निष्कर्ष**

क. प्राथमिक शिक्षक :

• शैक्षणिक कौशल:, अनुभवात्मक शिक्षण और कक्षा प्रबंधन तकनीकों को सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने वाली कार्यशालाओं की आवश्यकता।

• मूल्यांकन तकनीक: विविध शिक्षण आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए गतिशील और रचनात्मक मूल्यांकन में कौशल का संवर्धन।

• प्रौद्योगिकी का उपयोग: शिक्षण प्रथाओं में डिजिटल उपकरणों और संसाधनों को एकीकृत करने पर पाठ्यक्रमों की इच्छा।

ख. प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक और स्नातकोत्तर शिक्षक :

• उन्नत शिक्षाशास्त्र : नवीन शिक्षण रणनीतियों और छात्र मूल्यांकन विधियों में प्रशिक्षण की आवश्यकता।

• विषय निपुणता : कार्यशालाओं की आवश्यकता जो विषय सामग्री में गहराई से उतरती हैं।

• मूल्यांकन तकनीक : छात्र प्रगति का बेहतर मूल्यांकन करने के लिए रचनात्मक और प्रामाणिक मूल्यांकन विधियों में प्रशिक्षण।

• नेतृत्व कौशल : ऐसे कार्यक्रमों में रुचि जो शिक्षकों को स्कूल नेतृत्व और प्रशासन में भविष्य की भूमिकाओं के लिए तैयार करते हैं।

ग. प्रधानाध्यापक :

• स्कूल प्रबंधन : आधारभूत और प्रारंभिक चरणों में प्रभावी अनुदेशात्मक नेतृत्व, संसाधन प्रबंधन और नीति कार्यान्वयन में प्रशिक्षण की आवश्यकता।

• सामुदायिक सहभागिता : माता-पिता और व्यापक समुदाय के साथ संबंधों को बढ़ावा देने पर कार्यशालाओं की आवश्यकता।

• नीति अद्यतन : नवीनतम शैक्षिक नीतियों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर ब्रीफिंग की इच्छा।

**5. प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार करना**

TNA निष्कर्षों के आधार पर, आंचलिक शिक्षा शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भुवनेश्वर ने सत्र 2025-26 के लिए 59 कार्यशालाओं / प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ एक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित किया है, जिसमें से 34 ऑफ़लाइन मोड में और 25 ऑनलाइन मोड में हैं। विवरण नीचे दिया गया है:

| | |
|---|---|
| कुल कार्य दिवसों की संख्या | 245 |
| ऑफ़लाइन लघु अवधि पाठ्यक्रमों की संख्या | 34 |
| ऑनलाइन लघु अवधि पाठ्यक्रमों की संख्या | 25 |
| लघु अवधि पाठ्यक्रमों की कुल संख्या | 59 |
| चिंतनशील सत्रों की संख्या | 34 |
| प्रशिक्षण दिनों की कुल संख्या | 200 |
| ऑफ़लाइन प्रशिक्षण दिनों की कुल संख्या | 150 |
| ऑनलाइन प्रशिक्षण दिनों की कुल संख्या | 50 |
| फीडर क्षेत्रों में शिक्षण स्टाफ की कुल संख्या (पदस्थ) | 6912 |
| फीडर क्षेत्रों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कुल संख्या (स्थिति में) | 448 |
| प्रशिक्षित किये जाने वाले शिक्षकों की कुल संख्या | 2700 |
| प्रशिक्षित किये जाने वाले गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कुल संख्या | 160 |

**6. निष्कर्ष**

आंचलिक शिक्षा शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भुवनेश्वर द्वारा आयोजित TNA ने फीडर क्षेत्रों के सभी संवर्गों के शिक्षकों की विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की है। इन पहचानी गई आवश्यकताओं के साथ अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संरेखित करके और के.वि.सं. की प्रशिक्षण नीतियों का पालन करके, हमारा लक्ष्य शिक्षकों की व्यावसायिक क्षमता को बढ़ाना है, जिससे अंततः छात्रों के सीखने के परिणामों में सुधार होगा और विद्यालय में समग्र शैक्षिक उत्कृष्टता आएगी।